28/11/19 M

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2691 **JC**

Unique Paper Code : 12053301

Name of the Paper : विज्ञापन और हिंदी भाषा

Name of the Course : **बी०ए० ऑनर्स (हिंदी)**
कौशल–संवर्द्धक पाठ्यक्रम
(CBCS)

Semester : I / III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. विज्ञापन की परिभाषा देते हुए उसकी सामाजिक उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'प्रायोजित कार्यक्रमों में विज्ञापन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं', इस कथन पर विचार कीजिए । (12)

P.T.O.

munotes.in

2. रेडियो विज्ञापन और टेलीविजन विज्ञापन के कॉपी लेखन के अंतर व
सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विज्ञापन के नए माध्यम के रूप में इंटरनेट के महत्व को रेखांकि
कीजिए। (12

3. विज्ञापन की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी विज्ञापनों की भाषा में समानांतरता और तुकांतता की उपयोगित
को विवेचित कीजिए। (12

4. टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण की रूपरेखा को स्पष्ट कीजिए

अथवा

प्रिंट माध्यम के संदर्भ में वर्गीकृत विज्ञापन-निर्माण की रूपरेखा क
रेखांकित कीजिए। (12

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(i) विज्ञापन का व्यावसायिक उद्देश्य

(ii) विज्ञापन माध्यम का चयन

(iii) मुहावरे-लोकोक्तियाँ और विज्ञापन

(iv) सजावटी विज्ञापन का महत्व

(v) विज्ञापन में रेडियो माध्यम की उपयोगिता

(vi) मार्केटिंग और विज्ञापन (9,9,9

(1700

munotes.in

5/12/19 M

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2501 **JC**

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आधुनिकता से क्या तात्पर्य है ? आधुनिक बोध का विवेचन कीजिए।

अथवा

नवजागरणकालीन चेतना के विभिन्न बिंन्दुओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए। (15)

2. हिंदी उपन्यास की विकास-यात्रा का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

munotes.in

अथवा

शुक्लोत्तर हिंदी निबन्ध साहित्य पर प्रकाश डालिए। (15)

3. उत्तर छायावादी कविता की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

नई कविता की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (15)

4. 'साठोत्तरी कविता अपने परिवेश और प्रवृत्तियों में पिछले साहित्य से जुड़े होने पर भी अपनी अलग पहचान बनाती दिखाई देती है' – इस परिप्रेक्ष्य में साठोत्तरी कविता की मूल प्रवृत्तियों का उद्घाटन कीजिए।

अथवा

हिंदी साहित्य में दलित-विमर्श के विभिन्न आयामों का परिचय दीजिए। (15)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) नवजागरण एवं भारतेन्दु

(ख) आत्मकथा

(ग) प्रगतिवाद

(घ) नवगीत

munotes.in

12/12/19 M

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2502 **JC**

Unique Paper Code : 12051302

Name of the Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल-छायावाद तक)

Name of the Course : **B.A. (H) हिन्दी CBCS**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) प्रियतम् तुम श्रुति-पथ से आये। (8)

तुम्हें हृदय में रख कर मैंने अधर-कपाट् लगाये।

मेरे हास-विलास! किन्तु क्या भाग्य तुम्हें रख पाये ?

दृष्टि मार्ग से निकल गये ये तुम रसमय मनभाये!

प्रियतम तुम श्रुति-पथ से आये।

P.T.O.

munotes.in

अथवा

स्नेह-निर्झर बह गया है।

रेत ज्यों तन रह गया है।

आम की यह डाल जो सूखी दिखी,

कह रही है- "अब यहाँ पिक या शिखी

नहीं आते, पंक्ति मैं वह हूँ लिखी

नहीं जिसका अर्थ

जीवन दह गया है।"

(ख) 'हित-वचन नहीं तूने माना, मैत्री का मूल्य न पहचाना,

तो ले, मैं भी अब जाता हूँ, अन्तिम संकल्प सुनाता हूँ।

याचना नहीं, अब रण होगा,

जीवन-जय या कि मरण होगा।

अथवा

यहीं कहीं पर बिखर गयी वह

भग्न विजय-माला-सी।

munotes.in

उसके फूल यहाँ संचित हैं

यह स्मृति-शाला सी ।।

सहे वार पर वार अन्त तक

लड़ी वीर बाला-सी

आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर

चमक उठी ज्वाला-सी ।।

(7)

2. 'यशोधरा' को केन्द्र में रखते हुए मैथिलीशरण गुप्त की नारी-विषयक दृष्टि पर प्रकाश डालिए । (12)

अथवा

'यशोधरा' की भाषागत् विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

3. 'लहर' में व्यक्त जयशंकर प्रसाद के काव्य-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए ।

(12)

अथवा

'अरी वरुणा की शांत कछार' का प्रतिपाद्य लिखिए ।

munotes.in

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आंधार पर निराला की काव्य-प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

'तोड़ती पत्थर' कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. 'रश्मिरथी' के आधार पर कृष्ण-कर्ण संवाद का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं का वैशिष्ट्य स्पष्ट कीजिए।

6. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** काव्यांशों का रचना-कौशल लिखिए : (6 + 6)

(क) सुधा-धार यह नीरस दिल की

मस्ती मगन तपस्वी की।

जीवन-ज्योति नष्ट नयनों की

सच्ची लगन मनस्वी की।।

munotes.in

बीते हुए बालपन की यह
क्रीड़ा पूर्ण वाटिका है ।।
वही मचलना वही किलकना
हँसती हुई नाटिका है।। (वात्सल्य-वर्णन)

(ख) काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे ।
नव गति, नव लय, ताल-छन्द नव,
नवल कण्ठ, नव जलद-मन्द्र रव;
नव नभ के नव विहग-वृन्द को
नव पर, नव स्वर दे! (भाव-सौन्दर्य)

(ग) वसुधा पर ओस बने बिखरे
हिमकन आँसू जो क्षोभ भरे
उषा बटोरती अरुण गात!
अब जागो जीवन के प्रभात!

munotes.in

तम-नयनों की तारायें सब-

मुँद रही किरण दल में है अब,

चल रहा सुखद यह मलय वात!

अब जागो जीवन के प्रभात! (शिल्प-सौन्दर्य)

munotes.in

14/12/2019(M) Lib

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2503 **JC**

Unique Paper Code : 12051303

Name of the Paper : Hindi Kahani

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi CBCS**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी प्रश्न** अनिवार्य हैं ।

1. कहानी के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए । (12)

अथवा

'पूस की रात' कहानी के 'हल्कू' के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

2. 'तीसरी कसम' कहानी की मूल संवेदना का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

'वापसी' कहानी के माध्यम से समाज की किस समस्या को उठाया गया है – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. 'पाजेब' कहानी के बालक 'आशुतोष' की चरित्रगत विशेषताएँ लिखिए। (12)

अथवा

"'परिन्दे' कहानी शिल्प की दृष्टि से बेजोड़ रचना है" – विश्लेषण कीजिए।

4. 'सिक्का बदल गया' कहानी की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

'जंगल जातकम' कहानी की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×3=27)

(क) बोधा गाड़ी पर लेट गया भला। आप भी चढ़ जाओ। सुनिए

munotes.in

तो, सूबेदारनी होरां को चिट्ठी लिखो तो मेरा मत्था टेकना लिख देना। और जब घर जाओ तो कह देना कि 'मुझसे जो उसने कहा था - वह मैंने कर दिया'। गाड़ियाँ चल पड़ी थीं। सूबेदार ने चढ़ते-चढ़ते लहना का हाथ पकड़कर कहा - 'तेने मेरे और बोधा के प्राण बचाए हैं। लिखना कैसा ? साथ ही घर चलेंगे। अपनी सूबेदारनी को तू ही कह देना। उसने क्या कहा था ? 'अब आप गाड़ी पर चढ़ जाओ। मैंने जो कुछ कहा वह लिख देना और कह भी देना।'

अथवा

दस बज चुके थे। मैंने देखा कि उस निर्मल धूप में सड़क के किनारे एक कपडे पर छोटे जादूगर का रंगमंच सजा था। मोटर रोक कर उतर पड़ा। वहाँ बिल्ली रूठ रही थी। भालू मनाने चला था। ब्याह की तैयारी थी; यह सब होते हुए भी जादूगर की वाणी में वह प्रसन्नता की तरी नहीं थी। जब वह औरों को हँसाने की चेष्टा कर रहा था, तब जैसे स्वयं कांप जाता था। मानो उसके रोएँ रो रहे थे। मैं आश्चर्य से देख रहा था। खेल हो जाने पर पैसा बटोरकर उसने भीड़ में मुझे देखा। वह जैसे क्षणभर के लिए स्फूर्तिमान हो गया। मैंने उसकी पीठ थपथपाते हुए पूछा - 'आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं?'

munotes.in

(ख) दुल्हिनया पान खाती है, दूल्हा की पगड़ी में मुँह पोंछती है । ओ दुलहिनिया, तेगछिया गांव के बच्चों को याद रखना । लौटती बेर गुड़ का लड्डू लेती आइयो । लाख बरिस तेरा दूल्हा जिये ! कितने दिनों का हौंसला पूरा हुआ है हिरामन का, ऐसे कितने सपने देखे हैं उसने ! वह अपनी दुलहिन को लेकर लौट रहा है । हर गांव के बच्चे तालियाँ बजाकर गा रहे हैं । हर आँगन से झाँककर देख रही हैं औरतें । मर्द लोग पूछते हैं, 'कहाँ की गाड़ी है, कहाँ जाएगी ?' उसकी दुलहिन डोली का परदा थोड़ा सरकाकर देखती है । और भी कितने सपने......

अथवा

मिस्टर शामनाथ सिगरेट मुँह में रखे, फिर अधखुली आँखों से माँ की ओर देखने लगे, और माँ के कपड़ों की सोचने लगे । शामनाथ हर बात में तरतीब चाहते थे । घर का सब संचालन उनके अपने हाथ में था । खूँटियाँ कमरों में कहाँ लगाई जाएँ, बिस्तर कहाँ पर बिछे, किस रंग के पर्दे लगाएँ जाएँ, श्रीमती कौन-सी साड़ी पहने, मेज किस साइज की हो.... शामनाथ को चिंता थी कि अगर चीफ का साक्षात माँ से हो गया, तो कहीं लज्जित नहीं होना पड़े । माँ को सिर से पाँव तक देखते हुए

बोले- "तुम सफेद कमीज और सफेद सलवार पहन लो, माँ। पहन के आओ तो, जरा देखूँ।"

(ग) सिद्धेश्वरी की समझ में नहीं आ रहा था की क्या कहे। वह चाहती थी की सभी चीजें ठीक से पूछ ले। सभी चीजें ठीक से जान ले और दुनिया की हर चीज पर पहले की तरह धड़ल्ले से बात करे। पर उसकी हिम्मत नहीं होती थी। उसके दिल में ना जाने कैसा भय समाया हुआ था। अब मुंशीजी इस तरह चुपचाप दुबके हुए खा रहे थे, जैसे पिछले दो दिनों से मौन व्रत धारण कर रखा हो और उसको कहीं जाकर आज शाम को तोड़ने वाले हों।

अथवा

रमेश चौधरी के शब्दों में छिपी आंच को उसने महसूस कर लिया था। वह अभी तक सोनकर की मौत से उबर नहीं पाया था कि रमेश चौधरी के इस फैसले ने उसे पेशोपेश में डाल दिया था। सोनकर का चेहरा बार-बार उसकी आँखों में उतर रहा था। राकेश अपने भीतर उठने वाली बेचैनी को जितना दबाने की कोशिश कर रहा था, वह उतनी ही तीव्रता से बढ़ रही थी।

munotes.in

वह फिर से कुर्सी पर बैठ गया था। सोनकर का चेहरा उसे उद्वेलित कर रहा था। सोनकर की जददोजहद राकेश की अपनी पीड़ा बन गई थी। उसने एक गहरी सांस ली और झटके से उठकर खड़ा हो गया था।

munotes.in

(M) Lib, 30-11-19

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2882 **JC**

Unique Paper Code : 12051501

Name of the Paper : Pashchatya Kavyashastra (पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

औदात्य की परिभाषा देते हुए उसके मूलभूत तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

P.T.O.

'कविता व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं व्यक्तित्व से पलायन है।' -- इस कथन के संदर्भ में इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

3. स्वच्छंदतावाद की प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

उत्तरसंरचनावाद का विश्लेषण कीजिए।

4. बिंब एवं प्रतीक की परिभाषा देते हुए काव्य में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

काव्य में फैंटेसी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (9+9+9=27)

(i) विरेचन सिद्धांत

(ii) परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(iii) कॉलरिज की काव्यभाषा विषयक मान्यता

(iv) संरचनावाद

(v) विसंगति और साहित्य

(vi) काव्य में विडंबना बोध

munotes.in

9/12/19

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3149**

Unique Paper Code : **12057506**

Name of the Paper : **कोश-विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi—CBCS/DSE-2**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कोश की परिभाषा देते हुए इसकी उपयोगिता सिद्ध कीजिए। 12

अथवा

हिंदी कोश के 'स्वर की मात्राएँ, 'अनुस्वार एवं अनुनासिक' और 'संयुक्त व्यंजन वर्ण' के उपयोग के सोदाहरण नियम बताइए।

P.T.O.

munotes.in

2. कोश-निर्माण में शब्द के अर्थ और विस्तार की क्या भूमिका है ? 12

अथवा

कोश-निर्माण में व्याकरणिक कोटि और स्रोत की 'प्रविष्टि' की प्रक्रिया लिखिए।

3. आकार के आधार पर कोश के प्रकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए। 12

अथवा

द्विभाषी और बहुभाषी कोश में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. भोलानाथ तिवारी और महेन्द्र चतुर्वेदी द्वारा संपादित हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश की विशेषताएँ उदाहरण सहित बताइए। 12

अथवा

ई-कोश की अवधारणा स्पष्ट करते हुए किन्हीं **दो** कोशों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

5. किन्हीं तीन विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 9,9,9

(क) हिन्दी शब्द सागर और अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश

(ख) निम्नलिखित शब्दों को अंग्रेजी वर्णक्रमानुसार लिखिए :

Abomey, Aboral, Above, About, Catch, Bioactive Cell, Certify, Chain.

munotes.in

(ग) निम्नलिखित शब्दों को हिन्दी कोश के वर्णक्रमानुसार लिखिए :

कृत्य, कर्म, शंख, शृंगार, शिखी, अंकिता, पराया, प्यारा, शर्म

(घ) अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली के हिन्दी रूप लिखिए :

Agent, Currency, Gross, Estimate, Discount, Payment, Security, Deal

(ङ) हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी रूप लिखिए :

लेखा, जनगणना, परिपत्र, पावती, तदर्थ, उपर्युक्त, शपथ-पत्र, भत्ते, स्वायत्तता

(च) विषय के आधार पर किसी एक कोश का परिचय

(छ) कोश-निर्माण में पारिभाषिक शब्दावली की भूमिका

munotes.in